राष्ट्र के विकास में लेखकों को अधिक कारगर भूमिका निभानी होगी - राज्यपाल 23-5-2017

चण्डीगढ, 23 मई। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में लेखकों को अधिक कारगर भूमिका निभानी होगी। वर्तमान भौतिकवादी युग में देश व समाज को आगे बढाने में उनकी आवाज का महत्व पहले से कहीं अधिक है। पहले की तरह आज भी विसंगतियों और कुरीतियों को कलम की धार से ही काटा जा सकता है। ये उद्गार हरियाणा के राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने आज हरियाणा राजभवन में राजीव रंजन राय द्वारा लिखित पुस्तक 'दी हरियाणा स्टोरी' के विमोचन के बाद अपने सम्बोधन में व्यक्त किए। राज्यपाल ने कहा कि 'दी हरियाणा स्टोरी' पुस्तक उस समय प्रकाशित हुई है जब हरियाणा अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है। इस वर्ष के दौरान हम राज्य की उपलब्धियों का बखान करने के साथ यह भी मनन कर रहे हैं कि आगे हरियाणा को बनाना कैसा है। 'दी हरियाणा स्टोरी' पुस्तक भी इस दृष्टि से सफल लेखन है क्योंकि इसमें ऐसे सब बिन्दुओं को छुआ गया है और बताया गया है कि हरियाणा कैसा है व कैसा होना चाहिए।

लेखक राजीव रंजन राय को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनकी पुस्तक हरियाणा की स्टोरी ही नहीं इस राज्य की रियल्टी को भी प्रकाश में लाती है जिसे समझकर हम राज्य का सर्वांगीण विकास करने में सफल रहेंगे। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का महत्व होता है उसी प्रकार कोई राज्य अथवा देश सब क्षेत्रों में विकसित नहीं होता है तो वह सम्पूर्ण विकसित नहीं होता। प्रो0 सोलंकी ने गर्व प्रकट किया हरियाणा ने 50 सालों की अवधि में चहुमंखी प्रगति की है। क्षेत्र की दृष्टि से देश का लगभग 2 प्रतिशत होते हुए भी इस राज्य का सकल घरेलू उत्पाद देश के सकल घरेलू उत्पाद का 4 प्रतिशत है। जब हरियाणा बना तो राज्य के रूप में इसकी सफलता पर भी शंकाएं व्यक्त की जाती थीं लेकिन आज हरियाणा ने इतनी प्रगति की है कि देश की राजधानी दिल्ली भी इस पर निर्भर है। दिल्ली को बिजली, पानी, फल-सब्जी, दूध आदि के लिए हरियाणा की ओर देखना पड़ता है। यही नहीं दिल्ली की भीड़ को कम करने के लिए क्षेत्र की जरूरत पड़ती है तो वह भी हरियाणा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि भौतिक प्रगति ही नहीं आध्यात्मिक क्षेत्र में भी हरियाणा को देश में ही नहीं विश्व में विशिष्ट स्थान है। राज्यपाल ने कहा कि हरियाणा की सफलता की इस कहानी में अन्य सब लोगों के साथ लेखकों ने भी अपनी कलम से महत्वपूर्ण योगदान किया है।

इससे पहले अग्रसेन महाविद्यालय, यमुनानगर के प्राचार्य प्रो0 पी0के0 बाजपेयी ने पुस्तक का परिचय दिया। लेखक राजीव रंजन ने राज्यपाल व सब अतिथियों को धन्यवाद करते हुए कहा कि इस पुस्तक में उन्होंने हरियाणा के समसामयिक मुद्दों का विश्लेषण करने पर जोर दिया है क्योंकि ऐतिहासिक व अन्य बातें तो पुस्तकों में आमतौर पर मिल जाती हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ0 अमित कुमार अग्रवाल, अनेक वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार उपस्थित थे।

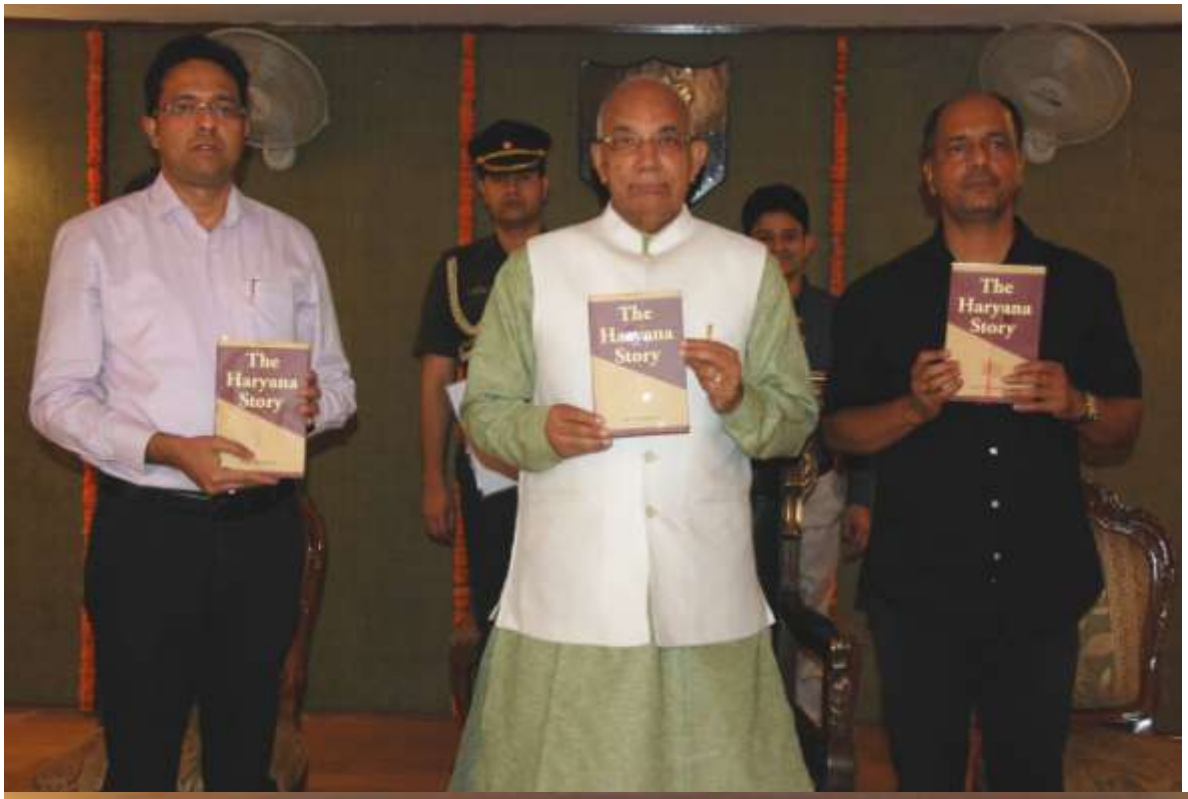
The Haryana Story
The Haryana Story
The Haryana Story

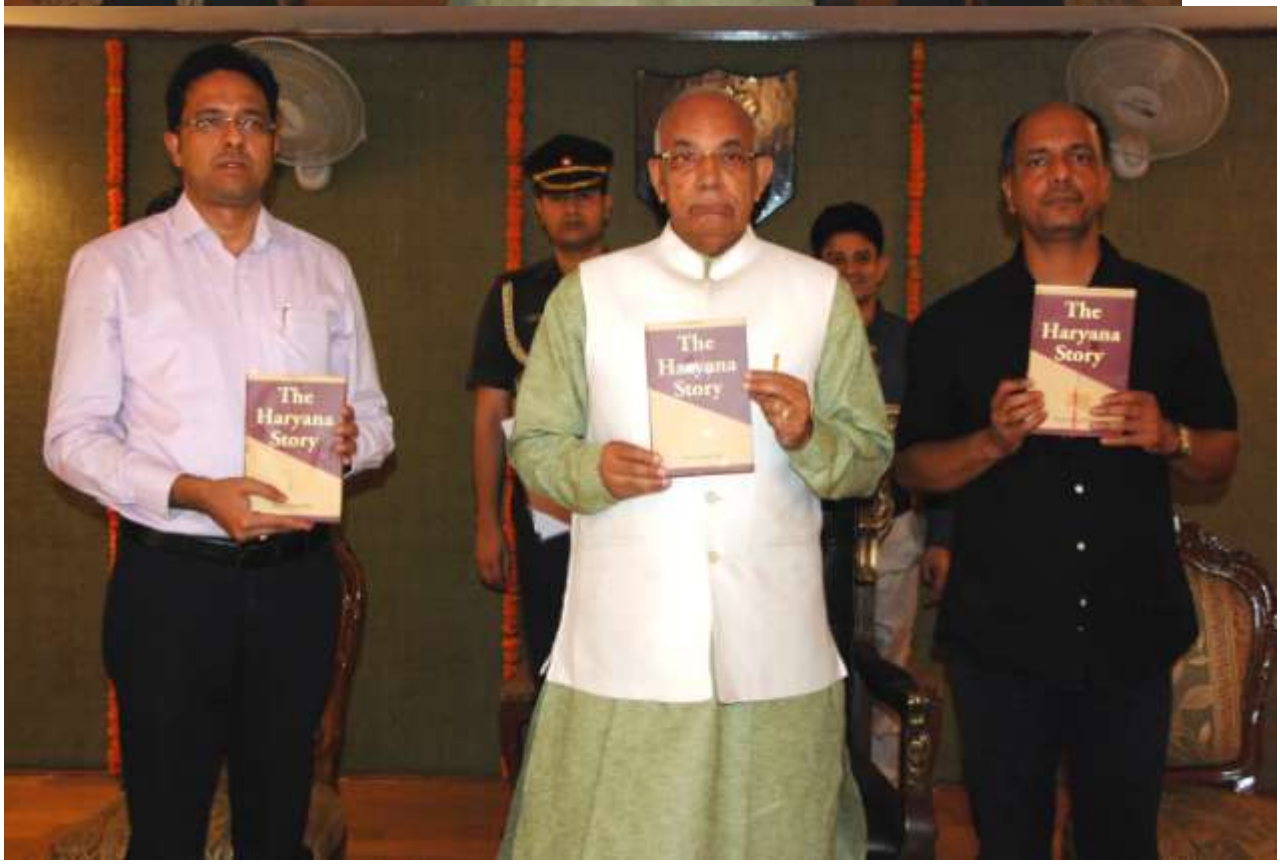
The Haryana Story
The Haryana Story
The Haryana Story